

भाग 1

प्रस्तुतकर्ता अर्थात् प्राप्ति द्वारा रखा जाने वाला।

सम निबन्धक(प्रथम) रूप सं० 29966

लक्ष्य-नक

लेख या प्राप्ति पर प्रस्तुत करने का दिनांक 04-Aug-2015

प्रस्तुतकर्ता या प्राप्ति का नाम मे० सूरत इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लि० द्वारा निवेदित रमेश मिश्रा

लेख का प्रकार विक्रय अनुबंध विलेख (कम्प्लेक्स)

प्रतिफल की धनराशि 142,264.72 / 0.00

1. रजिस्ट्रार शुल्क 10,000.0
2. प्रतिनिधिकरण शुल्क 40
3. निरीक्षण या तलाश शुल्क
4. बुध्दायनामा के अधिपत्तागी करण के लिए शुल्क
5. कमीशन शुल्क
6. विविधि
7. यात्रिक भत्ता

1 से 6 तक का योग 10,040.0

शुल्क वसूल करने का दिनांक 04-Aug-2015

दिनांक जब लेख प्रतिनिधि या तलाश प्रमाण पर

वापस करने के लिए तैयार किया 04-Aug-2015

रजिस्ट्रार अधिकारी के हस्ताक्षर

15137/15

ROOPALI PANDEY
Asst. Manager

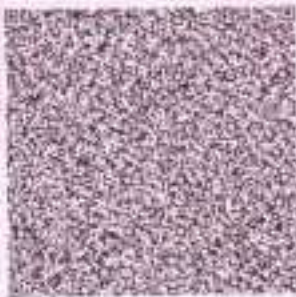


सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL Government of Uttar Pradesh

e-Stamp

Certificate No. : IN-UP01278559238688N
Certificate Issued Date : 04-Aug-2015 02:43 PM
Account Reference : SHCIL (FI)/ upshcil01/ QAISERBAGH/ UP-LKN
Unique Doc. Reference : SUBIN-UPUPSHCIL0101538041244476N
Purchased by : SURAT INFRATECH PRIVATE LIMITED
Description of Document : Article 5 Agreement or Memorandum of an agreement
Property Description : GROUP HOUSING PLOT NO-11/GH-04, VRINDAVAN SCHEME, LUCKNOW
Consideration Price (Rs.) : 14,22,64,720
(Fourteen Crore Twenty Two Lakh Sixty Four Thousand Seven Hundred And Twenty only)
First Party : UTTAR PRADESH AVAS EVAM VIKAS PARISHAD LUCKNOW
Second Party : SURAT INFRATECH PRIVATE LIMITED
Stamp Duty Paid By : SURAT INFRATECH PRIVATE LIMITED
Stamp Duty Amount(Rs.) : 99,58,600
(Ninety Nine Lakh Fifty Eight Thousand Six Hundred only)



Please write or type below this line



वृन्दावन योजना, लखनऊ

WN 0001957059

Statutory Alert:

1. The authenticity of this Stamp Certificate should be verified at www.shcilstamp.com. Any discrepancy in the details on this Certificate and as available on the website renders it invalid.
2. The onus of checking the legitimacy is on the users of this certificate.
3. In case of any discrepancy please inform the Competent Authority.

13K30



उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड के लिए किराया-किश्त क्रय किरायेदारी का अनुबन्ध

यह अनुबन्ध आज दिनांक 04 माह 08 दो हजार 2015 को उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद अधिनियम 1965 के अधीन संगठित उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद जिसका प्रधान कार्यालय लखनऊ में है और जिसका कार्य उसके आवास आयुक्त के जिसे एतदपश्चात 'स्वामी' कहा गया है, जिस पद के अन्तर्गत जब तक कि कोई बात प्रसंग से असंगत न हो, उसका उत्तराधिकारी या समनुदेशिनी भी है या जिसका तात्पर्य उसके उत्तराधिकारी या समनुदेशिनी भी है।

माध्यम से होता है। एक पक्ष और मेरे सूरत इन्फांटेक प्रा० लि० पता- डी-81, दिमूति खण्ड, गौमती नगर, लखनऊ द्वारा निदेशक श्री रमेश मिश्रा पुत्र स्व० रामसूरत मिश्रा निवासी-5/830, विराम खण्ड गौमती नगर, लखनऊ जिसे एतदपश्चात किराया-किश्त कंता कहा गया है और जिस पद के अन्तर्गत जब तक कि प्रसंग या अर्थ से कोई बात असंगत न हो, इसमें एतदपश्चात यथा उपबन्धित अनुमोदित नाम निर्देशिनी और उसके न होने पर उसके उत्तराधिकारी, निष्पादक, प्रशासक, विधिक प्रतिनिधि और अनुज्ञाप्राप्त समनुदेशिनी भी है, दूसरे पक्ष के बीच किया गया।

चूंकि उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की एक ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड आवंटन योजना के अधीन किराया-किश्त क्रय योजना के अधीन किराया किश्त कंता ने स्वामी से किराया किश्त क्रय योजना के अधीन एक ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड का आवंटन करने के लिये पृथक रूप से आवेदन किया है और स्वामी ने एतदपश्चात निर्धारित निबन्धन और शर्तों पर किराया-किश्त कंता को भूखण्ड का आवंटन करने के लिए आवंटित करने की सहमति दे दी है।

और चूंकि किराया-किश्त कंता ने **रु० 2,99,57,394.00 (शब्दों में केवल रु० दो करोड़ निम्नान्वे लाख सत्तावन हजार तीन सौ चौरान्ने मात्र)** का भुगतान प्रथम किश्त के रूप में कर दिया है जिसमें पंजीकरण की जमा ब्याना धनराशि सम्मिलित है।

उक्त ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड सं० **11/GH-04** का कुल मूल्य **रु० 14,22,64,720.00 (रु० चौदह करोड़ बाईस लाख चौसठ हजार सात सौ बीस मात्र)** जिसका आधा **रु० 7,11,32,360.00 (रु० सात करोड़ ग्यारह लाख बत्तीस हजार तीन सौ साठ)** होता है। आवंटन द्वारा यदि किश्तों का नियमित भुगतान नहीं किया जाता है तो उसमें नियमानुसार ब्याज/दण्ड ब्याज भी देय होगा।

अब यह विलेख इस बात का साक्षी है कि स्वामी एतद्वारा किराया-किश्त कंता से प्रसविदा करता है और सहमत है और किराया-किश्त भी एतद्वारा स्वामी से निम्नलिखित रीति से प्रसविदा करता है और सहमत है अर्थात्।

1. किराया-किश्त कंता को ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड के रूप में, सम्पत्ति का, जिसकी संख्या **11/GH-04** है और जो वृन्दावन योजना संख्या-3 लखनऊ में सेक्टर संख्या-11 में स्थित है। और जिसे अधिक स्पष्ट करने के लिये इसमें आगे दी गयी अनुसूची-एक में सीमाओं के साथ अधिक विशिष्ट रूप से वर्णित किया गया है, कब्जा दिया जायेगा।

2. किराया-किश्त कंता उक्त सम्पत्ति किरायेदार के रूप में निम्नलिखित शर्तों के अधीन **48(मासिक)** की एक नियत अवधि तक ग्रहीत करेगा जो वर्ष दो हजार पन्द्रह के सितम्बर-15 मास के प्रथम दिनांक से प्रारम्भ होगी और वर्ष 2019 के अगस्त मास के अन्तिम दिनांक को समाप्त होगी-

(क) किराया-किश्त-कंता **रु० 19,43,055.00 केवल (रु० उन्नीस लाख तैतालीस हजार पचपन मात्र)** की मासिक किश्त की किसी मांग की प्रतीक्षा किए बिना उसी मास में जिससे मासिक किश्त देय हो जाये प्रत्येक मास के प्रथम दिनांक से मास के अन्तिम दिनांक तक स्वामी के कार्यालय में या निर्दिष्ट स्थान पर भुगतान करेगा ऐसी प्रथम किश्त दिनांक **01.09.2015** से दिनांक **30.09.2015** तक जमा करना है। जिसे प्रथम किश्त के रूप में समझा जाये और ऐसी अगामी भुगतान वर्ष 2015 के माह सितम्बर 2015 या उसके पूर्ण प्रत्येक कैलेंडर मास के तुरन्त बाद किराया किश्त क्रय की अवधि तक देय हो जाय या भुगतान योग्य हो जाय।

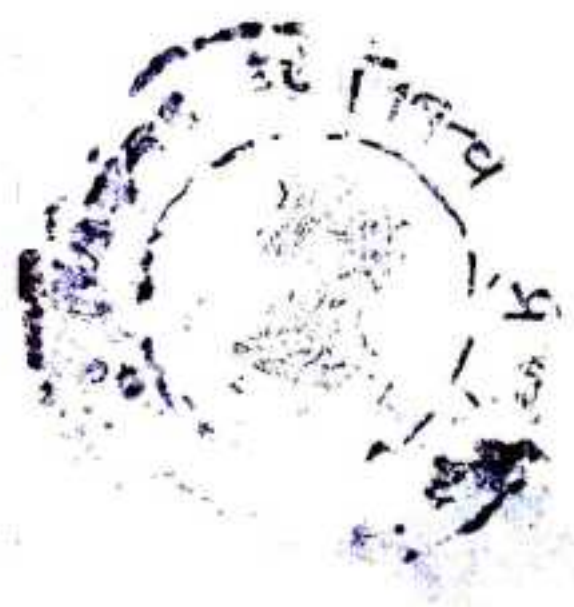
कमरा: 2 पर

रमेश मिश्रा
आवंटनी

उप आवास आयुक्त
वृन्दावन योजना, लखनऊ



100



ख. किराया-किश्त को आवंटन की योजना में यथा निर्धारित नगरपालिका के या अन्य प्रकार के सभी करों, फीस, प्रभार निर्धारित कर ऐसे अन्य उदग्रहणकी धनराशि का, चाहे वह किसी भी प्रकार की हो, जो स्थानीय निकाय द्वारा या राज्य या केन्द्रीय सरकार द्वारा या किसी अन्य प्राधिकृत अभिकरणद्वारा उसके सम्बन्ध में भू-स्वामी या किरायेदार को एतद्वारा किराये पर दी गयी उक्त सम्पत्ति पर लगाई गयी हो, प्रत्यक्ष रूप से सम्बद्ध प्राधिकारियों को भुगतान करेगा। किराया-कंता-स्वामी को सम्पत्ति कर, जल प्रभार, सीवर व्यवस्था के प्रभार का, जैसा कि स्वामी द्वारा समय-समय पर उदग्रहीत किया जाय, भुगतान करेगा। परन्तु किराया-किश्त कंता की ओर से ऐसा भुगतान न किये जाने की दशा में स्वामी का ऐसी देय धनराशि को भू-राजस्व के बकाये के रूप में या ऐसी अन्य रीति से जो विधि संगत हो, वसूल करने और उसे किश्त के बकाये के रूप में मानने की शक्ति होगी।

ग. किराया-किश्त कंता उक्त सम्पत्ति के साथ-साथ सम्भरण, जल निस्सारण, विजली और किन्हीं ऐसी अन्य सेवाओं से सम्बन्धित उसके प्रतिष्ठानों की मरम्मत (जिस पद के अन्तर्गत सामान्य, और आवश्यक वार्षिक भीतरी और बाहरी रंगाई और पुताई, सफाई भी)। स्वामी के या ऐसे व्यक्ति के जिसे स्वामी इस प्रयोजनार्थ नियुक्त करे, समाधानप्रद रूप से स्वयं अपने खर्च पर करायेगा और उसे समुचित रूप से ठीक दशा और स्थिति में रखेगा।

घ. किराया-किश्त कंता स्वामी की लिखित अनुमति के बिना उक्त सम्पत्ति के भीतर किसी भी प्रकार का व्यापार या कारोबार नहीं करेगा या करने की अनुमति नहीं देगा या उसका आवासिक उपयोग से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं देगा या उसमें कोई ऐसा कार्य या ऐसी कोई बात नहीं करेगा या करने देगा जो स्वामी या उसी कालोनी के अन्य ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों के अध्यासियों की या पडोसियों की राय में लोक कण्टक हो और जो उस प्रयोजन के अनुरूप न हो जिसके लिये योजना बनाई गई।

ड. किराया-किश्त कंता एतद्वारा स्वीकृत अवधि के दौरान सभी युक्तियुक्त समय पर स्वामी या स्वामी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किन्हीं व्यक्तियों को उक्त सम्पत्ति में और उस पर प्रवेश करने की मरम्मत की स्थिति का निरीक्षण करने की अनुमति देगा और यदि ऐसा निरीक्षण करने पर स्वामी को यह प्रतीत हो कि कोई साम्प्रतिक या विशेष मरम्मत आवश्यक है तो स्वामी किराया-किश्त कंता के खर्च पर कर वा सकता है और किराया-किश्त कंता एतद्वारा स्वामी को ऐसी धनराशि का भुगतान करके जिसे स्वामी (जिसका विनिश्चय अन्तिम होगा) इस निमित्त नियत करे, ऐसे खर्च की प्रतिपूर्ति करने की सहमति देता है।

च. किराया किश्त कंता स्वामी द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति को उक्त सम्पत्ति में उस पर ऐसे कर्मचारों के साथ प्रवेश करने की अनुमति देगा जो पाइप - लाइन, सीवर लाइन या कोई विद्युत आपूर्ति लाइन या उससे सम्बन्धित किसी कार्य के लिये कोई सर्विस लाइन बिछाने, उसकी मरम्मत करने या उसे निश्चित स्थान पर लगाने के प्रयोजन के साथ-साथ उक्त सम्पत्ति में बिछाई गयी किसी सर्विस लाइन से किन्हीं अन्य सम्पत्ति को जोड़ने के प्रयोजन के लिये आवश्यक हो।

छ. किराया-किश्त कंता स्वामी की लिखित पूर्वानुमति के बिना और सम्बद्ध प्राधिकारी को लिखित स्वीकृति या अनुमति के बिना भी उक्त सम्पत्ति में कोई परिवर्तन या परिवर्द्धन नहीं करेगा या करने की अनुमति नहीं देगा। परन्तु स्वामी अपने विवेकानुसार किसी परिवर्तन या परिवर्द्धन, चाहे जो भी हो, के लिये ऐसी अनुमति देने से इन्कार कर सकता है और उस निमित्त उसका विनिश्चय अन्तिम होगा।

कमरा: 3 पर

22/11/7
आवंटी



उप आवंटन आयुक्त
दुन्दवन योजना, लखनऊ



ज. किराया- किश्त कंता, स्वामी की लिखित पूर्व सहमति के बिना जिसे वह अपने स्पष्ट विवेकानुसार अस्वीकृत करने का हकदार होगा, उक्त सम्पत्ति के सम्पूर्ण या किसी भाग का विक्रय, अन्तरण, समनुदेशन नहीं करेगा या कब्जे से अन्यथा अलग नहीं होगा।

परन्तु सहमति दिये जाने की दशा में सम्पत्ति का ऐसा प्रत्येक अन्तरण समनुदेशन केवल इस किरायेदारी की शेष अवधि के लिए होगा और यथास्थिति अन्तरिती या समनुदेशिती इसमें दिये गये निबन्धनों और शर्तों से आबद्ध होगा और उसकी सभी बातों के लिये स्वामी के प्रति उत्तरदायी होगा।

परन्तु यह भी कि ऐसा कोई भी समनुदेशन या अन्तरण वैध या अनुमन्य नहीं होगा जहां समनुदेशिती या अन्तरिती कोई ऐसा व्यक्ति है जो योजना में यथा उपबन्धित पात्रता की अपेक्षाओं को पूरा न करता हो।

झ. किराया-किश्त कंता इस किरायेदारी की अवधि के दौरान इसमें नीचे दी गयी अनुसूची-दो में दिये गये किरायेदारी सम्बन्धी अनुबन्धनों का पालन करेगा।

अ. किराया-किश्त कंता किसी भी स्तर पर किन्हीं भी कारणों से चाहे जो भी हो, जैसा कि योजना में सम्पत्ति के विभक्त के सम्बन्ध में स्पष्ट रूप से उपबन्धित है, सम्पत्ति के बारे में ऐसी शिकायत करने से विरत रहेगा जिससे आपत्तियां उठें या दावे प्रस्तुत किये जायें।

ट. किराया किश्त कंता इस योजना के अधीन उस पर आने वाले ऐसे सभी उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेगा जो इस विलेख का अंग समझे जायें और जिसके बारे में इस अनुबन्ध-पत्र के पक्षकारों के बीच एतद्वारा सहमति है।

ठ. उक्त सम्पत्ति में किराया-किश्त कंता के हित के विरुद्ध कोई दावा नहीं किया जा सकता है, फिर भी किराया-किश्त कंता एतद्वारा स्वामी को किसी ऐसी सम्भाव्यता के सम्बन्ध में क्षतिपूर्ति करने का वचन देता है।

ड. किराया-किश्त कंता किसी भी प्रकार की दुर्घटना के फलस्वरूप उक्त सम्पत्ति को क्षति पहुंचने या उसके नष्ट होने की दशा में एतद्वारा स्वामी को किसी भी उत्तरदायित्व से मुक्त करना है। परन्तु इस अनुबन्ध के प्रवृत्त रहने तक किराया-किश्त कंता का यह कर्तव्य होगा कि वह इस बात का ध्यान रखे कि भूखण्ड, उपयोग के कारण उचित टूट-फूट को छोड़कर, उसी दशा में बना रहे जिसमें वह प्रारम्भ में सौंपा गया था। किसी प्राकृतिक कारण से या आग लग जाने से क्षति होने की दशा में किराया-किश्त कंता का यह कर्तव्य होगा कि वह भवन को पुनः उसकी मूल दशा में लाने के लिये आवश्यक मरम्मत कराये। भवन का आग लग जाने के जोखिम के प्रति परिषद द्वारा अनुमोदित बीमा कम्पनी से अतिवार्य रूप से बीमा कराया जायेगा आग लग जाने से क्षति होने की दशा में परिषद का दायित्व उस सम्बन्ध में परिषद को मिलने वाली बीमा की धनराशि तक ही सीमित होगा।

ढ. किराया-किश्त कंता अपने जीवन काल में लिखित रूप से अपने हस्ताक्षर से ऐसे नाम निर्देशिती को, जिसे वह उक्त सम्पत्ति में, जिससे उसकी मृत्यु हो जाने के स्थिति में भूखण्ड/भवन के भावी स्वामित्व में उसका अधिकार भी सम्मिलित है, अपना अंश या हित अन्तरित करना चाहे, नाम निर्दिष्ट करेगा और उसे आवास आयुक्त के पास जमा कर देगा स्वामी किराया-किश्त कंता की मृत्यु का प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर तदनुसार अन्तरण करेगा जो स्वामी और सार्वजनिक निकायों के प्रति किराया-किश्त कंता के समस्त विद्यमान दायित्वों और बध्यता के अधीन होगा। इस प्रकार किये गये नाम निर्देशन को विखण्डित किया जा सकता है और किराया-किश्त कंता उपर्युक्त रीति से उसके स्थान पर दूसरा नाम निर्देशन कर सकता है।

परन्तु किराया-किश्त कंता द्वारा ऐसा नाम निर्देशन न किये जाने पर किराया-किश्त कंता के वारिस/वारिसों का स्वामी द्वारा इस विलेख के हिताधिकारी/हिताधिकारियों के रूप में स्वीकार किया जायेगा।

कमरा: 4 पर



उप अधिस आयुक्त
स्वास्थ्य योजना, लखनऊ

संस्कृत-संज्ञा

所 在 地 点 和 时 间

古詩 五言

1996, 2004, 2014

REFERENCES

10. [Download the PDF](#)



14. $\frac{1}{2}$ 15. $\frac{1}{2}$ 16. $\frac{1}{2}$ 17. $\frac{1}{2}$ 18. $\frac{1}{2}$ 19. $\frac{1}{2}$ 20. $\frac{1}{2}$ 21. $\frac{1}{2}$ 22. $\frac{1}{2}$ 23. $\frac{1}{2}$ 24. $\frac{1}{2}$ 25. $\frac{1}{2}$ 26. $\frac{1}{2}$ 27. $\frac{1}{2}$ 28. $\frac{1}{2}$ 29. $\frac{1}{2}$ 30. $\frac{1}{2}$ 31. $\frac{1}{2}$ 32. $\frac{1}{2}$ 33. $\frac{1}{2}$ 34. $\frac{1}{2}$ 35. $\frac{1}{2}$ 36. $\frac{1}{2}$ 37. $\frac{1}{2}$ 38. $\frac{1}{2}$ 39. $\frac{1}{2}$ 40. $\frac{1}{2}$ 41. $\frac{1}{2}$ 42. $\frac{1}{2}$ 43. $\frac{1}{2}$ 44. $\frac{1}{2}$ 45. $\frac{1}{2}$ 46. $\frac{1}{2}$ 47. $\frac{1}{2}$ 48. $\frac{1}{2}$ 49. $\frac{1}{2}$ 50. $\frac{1}{2}$ 51. $\frac{1}{2}$ 52. $\frac{1}{2}$ 53. $\frac{1}{2}$ 54. $\frac{1}{2}$ 55. $\frac{1}{2}$ 56. $\frac{1}{2}$ 57. $\frac{1}{2}$ 58. $\frac{1}{2}$ 59. $\frac{1}{2}$ 60. $\frac{1}{2}$ 61. $\frac{1}{2}$ 62. $\frac{1}{2}$ 63. $\frac{1}{2}$ 64. $\frac{1}{2}$ 65. $\frac{1}{2}$ 66. $\frac{1}{2}$ 67. $\frac{1}{2}$ 68. $\frac{1}{2}$ 69. $\frac{1}{2}$ 70. $\frac{1}{2}$ 71. $\frac{1}{2}$ 72. $\frac{1}{2}$ 73. $\frac{1}{2}$ 74. $\frac{1}{2}$ 75. $\frac{1}{2}$ 76. $\frac{1}{2}$ 77. $\frac{1}{2}$ 78. $\frac{1}{2}$ 79. $\frac{1}{2}$ 80. $\frac{1}{2}$ 81. $\frac{1}{2}$ 82. $\frac{1}{2}$ 83. $\frac{1}{2}$ 84. $\frac{1}{2}$ 85. $\frac{1}{2}$ 86. $\frac{1}{2}$ 87. $\frac{1}{2}$ 88. $\frac{1}{2}$ 89. $\frac{1}{2}$ 90. $\frac{1}{2}$ 91. $\frac{1}{2}$ 92. $\frac{1}{2}$ 93. $\frac{1}{2}$ 94. $\frac{1}{2}$ 95. $\frac{1}{2}$ 96. $\frac{1}{2}$ 97. $\frac{1}{2}$ 98. $\frac{1}{2}$ 99. $\frac{1}{2}$ 100. $\frac{1}{2}$

2. 1985 年 10 月 1 日

● 2013 年 12 月 1 日起, 凡在 2013 年 12 月 31 日前, 已在本省 (自治区、直辖市) 人力资源社会保障部门完成参保登记手续, 且符合参保条件的用人单位, 均须参加工伤保险。

100

144

Figure 1

ण. किराया-किश्त कंता सभी देयों का जिनका भुगतान इस विलेख के अनुसरण में उसके द्वारा किया जाना अपेक्षित है, पूरा और नियमित भुगतान करेगा किश्तों के भुगतान के लिये उनके देय होने के दिनांक से एक मास की छूट दी जायेगी।

वह किश्त में सम्मिलित साधारण ब्याज के अतिरिक्त प्रदेशन पत्र में उल्लिखित 17 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से दण्ड ब्याज के भुगतान का देनदार होगा। यदि भुगतान छूट की अवधि के भीतर न किया जाय तो किराया-किश्त कंता तदनुसार किश्तों के वस्तुतः देय होने के दिनांक से निर्धारित 17 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज के भुगतान का देनदार होगा लगातार तीन से अधिक किश्तों का भुगतान करने में व्यक्ति कम होने की दशा में किरायेदारी समाप्त समझी जायेगी और कंता को बेदखल किया जा सकेगा। स्वामी को देय समस्त बकाया धनराशि को भू-राजस्व के रूप में या ऐसी अन्य रीति से, जिसका विधि समर्थन करे, वसूल किया जा सकेगा। किराया-किश्त का जल सम्पूर्ति कनेक्शन तथा विद्युत कनेक्शन भी विच्छेदन किया जा सकेगा तथा निर्धारित शर्तों प्रक्रिया से पुनः संयोजन किया जा सकेगा।

त. यदि किराया-किश्त कंता सम्पत्ति या साझा भावा या साझा सेवाओं का उपयोग इस ढंग से करता है कि उसे क्षति पहुँचे या उसका क्षय हो या गलत कार्य के लिये उसका उपयोग हो, तो किराया-किश्त कंता ऐसी क्षति, क्षय होने या गलत उपयोग किये जाने के लिये स्वामी या पंजीकृत अभिकरण की तत्सम्बन्धी प्रभार का भुगतान करेगा।

थ. यदि किराया-किश्त कंता किराया-किश्त कय की अवधि के समाप्त होने के पूर्व एतद्वारा स्वीकृत किरायेदारी को स्वतः समाप्त करना चाहे तो वह इसके लिये स्वामी को तीन महीने की नोटिस देगा और स्वामी सभी देयों के साथ-साथ इस अनुबन्ध के अनुसार किराया-किश्त कंता द्वारा किरायेदारी को इस प्रकार समाप्त के कारण होने वाली हानि की वसूली करेगा।

द. इसमें इसके पूर्व दी गयी किसी बात के होते हुये भी, यदि कोई जांच की जायगी तो यदि आवश्यक हो, सम्बद्ध पक्षों की सुनवाई के पश्चात यदि स्वामी की राय में जिसका विनिश्चय अन्तिम और आध्यकर होगा, किराया किश्त-कंता द्वारा ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड के आवंटन के लिये उसके द्वारा दिये गये आवंटन पत्र में कोई गलत बयान किया गया हो या किन्ही सारवान तथ्यों का छिपाया गया हो तो स्वामी के लिये किराया-किश्त कंता को बेदखल करना और सम्पत्ति का कब्जा लेना विधि पूर्ण होगा और तब यह अनुबन्ध समाप्त समझा जायेगा। और किराया-किश्त कंता द्वारा इस प्रकार जमा की गयी धनराशि का स्वामी को समपहरण हो जायेगा।

घ. स्वामी एतद्वारा सहमत है कि किराया-किश्त कंता इस विलेख के अनुसार उसके द्वारा देय सभी भुगतान करके और इसमें दी गयी सभी शर्तों को पूरा करके और उनका पालन करके उक्त अवधि के दौरान स्वामी या उसके अधीन विधिपूर्वक दावा करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा किसी विधिपूर्ण विघ्न या बाधा के सिवाय उक्त सम्पत्ति को किरायेदार के रूप में शान्तिपूर्वक ग्रहीत करेगा और उसका उपभोग करेगा। इसमें इसके पूर्व दी गयी किसी बात के होते हुये भी किरायेदार एतद्वारा किराया-किश्त कय के मूल्य में जो परिषद द्वारा नियत किया गया हो, भूमि के प्रतिकार में वृद्धि होने के कारण, या ठेकेदार के न्यायालय में जाने के परिणाम स्वरूप ठेकेदार के बिल में वृद्धि होने के कारण या ऐसी अन्य आकस्मिकता के कारण जिसका एतदपश्चात विनिश्चय किया जाए, कोई वृद्धि होने से उसका भुगतान करने के लिए सहमति है ऐसा भुगतान व्यय में इस प्रकार वृद्धि की आनुपातिक धनराशि होगी जो परिषद द्वारा नियत की जाएगी और किरायेदार के लिए अन्तिम और बाध्यकर होगी।

क्रमशः 5 पर

22/11/17
आवंटी



जय आवंटी आवंटी
कानन गोदना, बिबनक

संख्या १०००

दिनांक १०/१०/१९८०

श्री १००० १००० १००० १०००
श्री १००० १००० १००० १०००

श्री १००० १००० १००० १०००
श्री १००० १००० १००० १०००
श्री १००० १००० १००० १०००

श्री १००० १००० १००० १०००
श्री १००० १००० १००० १०००
श्री १००० १००० १००० १०००
श्री १००० १००० १००० १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

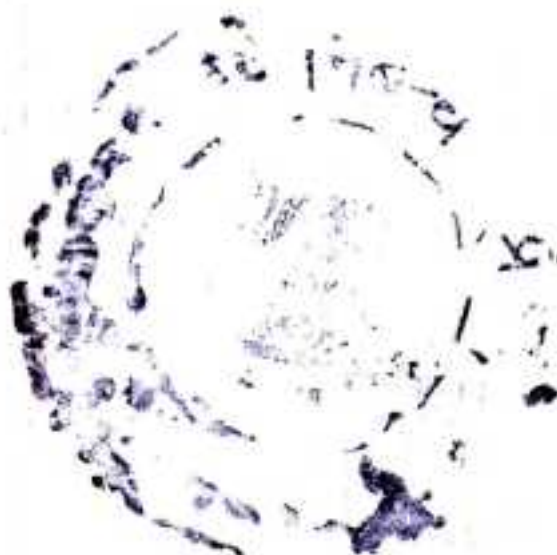
श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००

श्री १०००



न.उक्त भूखण्ड का किराया-किश्त कंता एतद्वारा आवंटन के दिनांक से 5 वर्ष के भीतर भूखण्ड पर भवन का निर्माण करने और निर्माण कार्य पूरा करने के लिए सहमत है जिसमें विफल रहने पर परिषद द्वारा भूमि का पुनर्ग्रहण किया जा सकेगा। किराया-किश्त कंता निर्माण कार्य प्रारम्भ करने के पूर्व भवन का नक्शा सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित कराएगा।

3.स्वामी एतद्वारा किराया-किश्त कंता को किराया-किश्त कय की अवधि की समाप्ति के पश्चात विहित प्रपत्र में उसके साथ हस्तान्तरण विलेख निष्पादित करके उक्त सम्पत्ति का अन्तरण करने के लिए सहमत है, परन्तु यह कि उसने ऐसे निष्पादन के पूर्व स्वामी को और सार्वजनिक निकायों को, यदि कोई हो, सभी देयों का भुगतान कर दिया हो। किराया-किश्त कंता इसके बाद किरायेदार नहीं रहेगा और पैरा 5 में यथा उपबन्धित निष्पादित किये जाने वाले हस्तान्तरण विलेख के उपबन्धों के अधीन रहते हुये सम्पत्ति का पट्टेदार के रूप में स्वामी हो जायेगा।

4-हस्तान्तरण विलेख सामान्यतः स्वामी द्वारा किराया-किश्त कय की अवधि की समाप्ति के पश्चात निष्पादित किया जायेगा, फिर भी यदि किराया -किश्त कंता ने इसके पूर्व किरायेदारी समाप्त करने और सम्पत्ति का स्वामित्व उसमें निहित करने के लिए आवेदन किया हो और यदि किराया -किश्त कंता स्वामी द्वारा, (जिसका विनिश्चय अन्तिम और बाध्यकर होगा) की गई संगणना के अनुसार पूरा भुगतान कर देता है, तो स्वामी हस्तान्तरण-विलेख निष्पादित करेगा।

5.यदि उक्त विनियमों और उनके अधीन किये गये अनुबन्ध की शब्दावली के निर्वचन के या अनुबन्ध के अनुसार किये गये या किये जाने के लिए प्रस्तावित किसी विनिश्चय के बारे में कोई विवाद या मतभेद उत्पन्न हो तो आवास आयुक्त विनिश्चय करेंगे और किराया-किश्त कंता के लिए संयुक्त रूप से या पृथक-पृथक ऐसा विनिश्चय अन्तिम और बाध्यकर होगा।

अनुसूची- 1

वृन्दावन योजना लखनऊ स्थित निर्माण खण्ड-3 के सभी ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड जिसकी संख्या 11/GH-4 एवं भूमि का क्षेत्रफल 4905.68 व0मी0 है। सम्पत्ति की सीमा निम्नलिखित है:-

उत्तर	- व्यवसायिक भूखण्ड संख्या 11/COMM-106	उत्तर-	71.20	मीटर
दक्षिण	- ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड संख्या 11/GH-5	दक्षिण-	71.20	मीटर
पूर्व	- 12.00 मी0 चौड़ी सड़क एवं ग्रीन बेल्ट	पूर्व-	68.90	मीटर
पश्चिम-	- Houses	पश्चिम-	68.90	मीटर

इस ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड के किराया किश्त कय अनुबन्ध पर परिषद की ओर से डा0 अनिल कुमार, उप आवास आयुक्त ने तथा मे0 सूरत इन्फाटेक प्रा0 लि0 द्वारा निदेशक श्री रमेश मिश्रा पुत्र स्व0 रामसूरत मिश्रा ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड सं0 11/GH-4 ने स्वयं स्वेच्छा से हस्ताक्षर किये हैं।

कमरा: 6 पर

रमेश मिश्रा
पुत्र
स्व. रामसूरत मिश्रा

उप आवास आयुक्त
वृन्दावन योजना, लखनऊ

विशेष अनुबंध विलेख (कब्जा)

142,264,720.00	29,957,394.00	10,000.00	40	10,040.00	2,000
----------------	---------------	-----------	----	-----------	-------

प्रतिफल सविनियमित अंतिम धनराशि फंड रजिस्ट्री नकल व प्रति भुक्त कोष अक्ष लगभग

श्री मे0 सूरत इन्फ्रा0प्रा0लि0द्वारा निवेद0 रमेश मिश्रा

पुत्र श्री स्व राम सूरत मिश्रा

व्यवसाय व्यापार

निवासी स्थान डी-81 विभूति खण्ड गोमती नगर लखनऊ

अस्थापी पता

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में दिनांक 4/8/2015 समय 5:03PM

वजे निबन्धन हेतु पेश किया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

एस.बी.सिंह

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

4/8/2015

निष्पादन लेखपत्र को मनेन वे सम्पन्न नजमून व प्राप्त धनराशि म. धर्मेष्ठानुसार उक्त

विज्ञप्ति

इस बात से संतुष्ट हो जाने पर कि इस लेखपत्र का निष्पादन श्री डा अनिल कुमार उप आवास आयुक्त ने अपने पद के अधिकार से किया है इसलिये उनकी उपस्थिति और हस्ताक्षरों की आवश्यकता नहीं है, और लेखपत्र रजिस्ट्रीकरण के लिए स्वीकार किया गया।

ने निष्पादन स्वीकार किया।

दिनांक पहचान श्री संजय कुमार सिंह

पुत्र श्री चन्द्रभान सिंह

पेशा व्यापार

निवासी 3/387 वास्तुखण्ड गोमती नगर लखनऊ

व श्री एखलाक अहमद योजना सहायक

पुत्र श्री

पेशा नीकरी

निवासी आवास विकास परिषद लखनऊ

ने की।

पत्राचार को सविनियमित अंतिम धनराशि म. धर्मेष्ठानुसार लिखे गये हैं।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

एस.बी.सिंह

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

4/8/2015

(6)

अनुसूची-2

इस अनुबन्ध पत्र पर इसके साक्ष्य में इसके पक्षकारों के उपरोक्त दिनांक, मास और वर्ष को अपने हस्ताक्षर किए :-

स्थान लखनऊ
दिनांक

प्रथम साक्षी हस्ताक्षर धर्म प्रताप सिंह

1-हस्ताक्षर

2-नाम :

3-पता: 2/480 बबू काला गोमती नगर
लखनऊ

द्वितीय साक्षी हस्ताक्षर अरवि

1-हस्ताक्षर :

2-नाम : Sanjeev Kumar Singh

3-पता : 31387 Vastu Khawd
Gomti Nagar - Lucknow

किराया किश्त कंटा का
(सुपाठ्य हस्ताक्षर और पता)

1- हस्ताक्षर:- अरवि

2-नाम मे0 सूरत इन्फाटेक प्रा0 लि0

पता- डी-81, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ
द्वारा निदेशक श्री रमेश मिश्रा पुत्र स्व0 रामसूरत मिश्रा
निवासी-5/830, विराम खण्ड गोमती नगर, लखनऊ

प्रथम साक्षी

1-हस्ताक्षर :

2-नाम :

3-पता :

द्वितीय साक्षी

1-हस्ताक्षर :

2-नाम :

3-पता :

परिषद की ओर से एवं उसके लिए
उप आवास आयुक्त
कृषाक्षेत्राधीन भू-संयोजक

किरायेदारी सम्बन्धी उपबन्ध

- (1) यह उपबन्ध किराया-किश्त कंटा पर लागू होंगे जो और जिसके साथ-साथ उसके फ्लैट/भूखण्ड/भवन का प्रत्येक उपयोगकर्ता संयुक्त रूप से पृथक-पृथक उनका पालन करने के लिए उत्तरदायी होंगे।
- (2) किराया-किश्त कंटा अपने फ्लैट/भवन/भूखण्ड के भीतर, कूड़े, रद्दी कागजों, बुहारन, रसोईघर और भोजन की अपशिष्ट सामग्री, कूड़ा करकट और इसी प्रकार की वस्तुओं को इकट्ठा करने के लिए एक पात्र (कूड़ादान) रखेगा और प्रत्येक व्यक्ति ऐसी बेकार चीजों को एक ऐसे पात्र में डालेगा और कहीं अन्यत्र नहीं डालेगा।
- (3) ऐसे पात्र में पड़ी हुई सामग्री को प्रतिदिन, उसे रास्ते में बिखरावे बिना, इस प्रयोजन के लिए आरक्षित स्थान पर डालेगा।
- (4) स्नानघर और शौचलय जैसी स्वच्छता सुविधाओं का उपयोग इस ढंग से किया जायेगा कि कोई नाली कूड़ा-करकट, रद्दी कागज, बुहारन या इसी प्रकार की चीजों से रुकने न पावे।

कमरा: 7 पर

विक्रेता

Registration No.: 15137

Year : 2015

Book No. : 1

0101 डा अनिल कुमार उषा आवास आयुक्त

आवास विकास परिषद लखनऊ
नौकरी



- (5) किसी कूड़ादान या कचरा रखने की पेंटी को किराया-किश्त केता के फ्लैट/भवन/भूखण्ड के बाहर या गलियारों या रास्तों में नहीं रखा जायेगा।
- (6) भूखण्ड के साझे के भाग खुले स्थान का उपयोग मूत्रालय के रूप में नहीं किया जायेगा।
- (7) किराया-किश्त केता के फ्लैट/भवन/भूखण्ड या साझा भाग के या सड़क के किसी भाग में कोई अपशिष्ट पदार्थ नहीं बिखेरा जायेगा और चारों ओर पास-पड़ोस को स्वच्छ और सुव्यवस्थित रखा जायेगा।
- (8) फ्लैट/भवन/भूखण्ड के या कालोनी के किसी भाग का उपयोग खतरनाक, ज्वलनशील, या आपत्तिजनक सामग्री रखने या उसका भण्डार या ढेर लगाने के लिये नहीं किया जायेगा।
- (9) भूखण्ड के किसी भाग में एक दुधारू गाय या भैंस के अतिरिक्त किसी पशु या पक्षी को उस प्रयोजन के लिए उपयुक्त व्यवस्था किये बिना नहीं रखा जायेगा।
- (10) प्रत्येक व्यक्ति इस बात का ध्यान रखेगा कि सम्पत्ति को कोई क्षति न हो या उसका क्षय न हो।
- (11) प्रत्येक व्यक्ति इस बात की सावधानी रखेगा कि पानी का नल या उसकी फिटिंग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और बिजली की लाइन और उसकी प्रतिष्ठापन को किसी से कोई बिगाड़ने न पाये।
- (12) सम्पत्ति का दुरुपयोग जैसे साझा गलियारा, साझा रास्ता, सीढ़ियों, चबूतरा प्रवेश मार्ग बनाने के लिए नहीं किया जायेगा न करने की अनुमति दी जायेगी।
- (13) परिसर में कोई वाहन लाने वाला प्रत्येक व्यक्ति इस बात का ध्यान रखेगा कि निवासियों के निर्बाध आवागमन में कोई अवरोध उत्पन्न न हो।
- (14) उपर्युक्त किसी भी अनुबन्ध का पालन न करना अनुबन्ध के निबन्धनों का उल्लंघन करना होगा और परिषद ऐसी उल्लंघन के लिए किराया-किश्त केता के विरुद्ध उनके बीच निष्पादित अनुबन्ध के अधीन उसमें निहित शक्ति के अनुसार कार्यवाही करेगी।
- (15) ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों से सम्बन्धित सभी नियम व शर्तें जो समय-समय पर लागू हों, मान्य होंगी।
- वृन्दावन योजना संख्या-3 लखनऊ में स्थित ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड सं० 11/GH-4 एवं कुल क्षेत्रफल 4905.68 वर्ग मीटर है। जिलाधिकारी लखनऊ द्वारा वृन्दावन योजना लखनऊ हेतु निर्धारित भूमि दर रु० 19,500.00 एवं 12.00 मीटर चौड़ी सड़क पर भूखण्ड होने की दशा में कुल रु० 19,500.00 प्रति वर्ग मीटर है। उक्त भूखण्ड लखनऊ-रायबरेली मुख्य मार्ग से 100 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। भूखण्ड में समाविष्ट भूखण्ड का क्षेत्रफल 4905.68 वर्ग मीटर की मालियत रु० 9,56,60,760.00 है। परिषद द्वारा आवंटित मूल्य रु० रु० 14,22,64,720.00 है।
- शासनादेश सं० वि० क० नि० 5-2756/11-2008-500(115)-2007 दिनांक 30.06.2008 के अन्तर्गत 7% की दर से रु० 99,58,600.00 के स्टाम्प बनते हैं। अतः ई स्टैम्प प्रमाण पत्र नं० IN-UP01278559238688N, DATE:- 04/08/2015 रु० 99,58,600.00 स्टाम्प पर किराया किश्त क्रय किरायेदारी अनुबन्ध निष्पादित किया जा रहा है।
- नोट- उत्तर प्रदेश शासन कर एवं निबन्धक अनुभाग-5 सं० नि० क० नि० 5-3757/11-2010-500(100)-2008 दिनांक 16-11-2011 द्वारा किश्त किरायेदारी अनुबन्ध परिषद दर पर निष्पादित किया जा रहा है।

हस्ताक्षर

नाम:- मे० सूरत इन्फाटेक प्रा० लि०

पता- डी-81, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ
द्वारा निदेशक श्री रमेश मिश्रा पुत्र स्व० रामसूरत मिश्रा
निवासी-5/830, विराम खण्ड गोमती नगर, लखनऊ

(डा० अनिल कुमार)
उप आवास आयुक्त

केता

Registration No. : 15137

Year : 2,015

Book No. : 1

0201 मे0 सूरत इन्का0प्रा0लि0द्वारा निदे0 रमेश मिश्रा

स्व राम सूरत मिश्रा

डी-81 विभूति खम्ह गोमती नगर लखनऊ

व्यापार



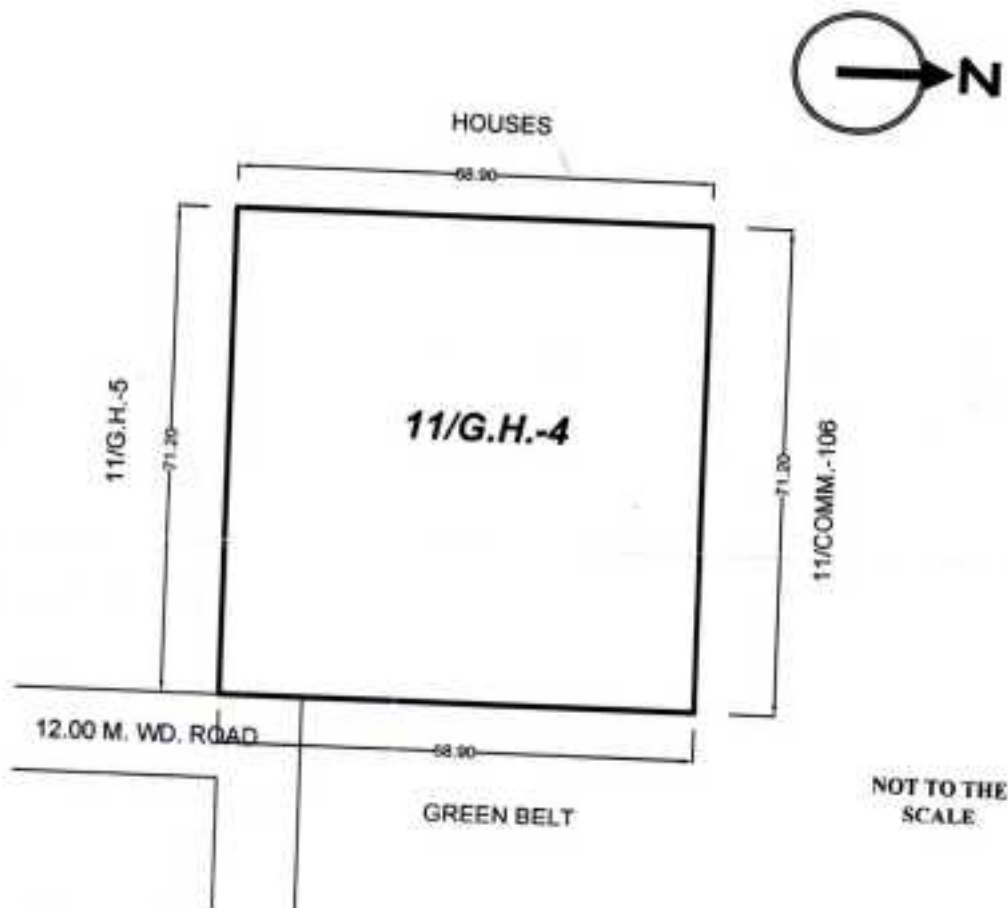


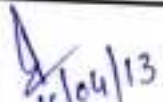
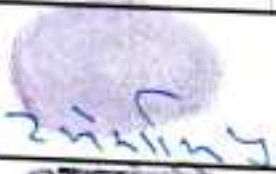
(I.S.O.-9001:2000 CERTIFIED BOARD)
OFFICE OF THE PROJECT MANAGER
CONSTRUCTION UNIT - 3
U.P. AVAS EVAM VIKAS PARISHAD
OFFICE COMPLEX (II Floor), SECTOR - 9 ,
VRINDAVAN YOJNA, LUCKNOW.



GROUP HOUSING

SITE PLAN OF PLOT NO.- 11/G.H.-4 SECTOR - 11
AT. VRINDAVAN YOJNA NO. 3 LUCKNOW.



MEASUREMENT'S		BOUNDRIE'S	
AREA	4905.68 SQM.	FRONT SIDE	12.00 M. WIDE ROAD & GREEN BELT (EAST)
		BACK SIDE	HOUSES (WEST)
		RIGHT SIDE	11/COMM-106 (NORTH)
		LEFT SIDE	11/G.H.-5 (SOUTH)
 D/MAN		 J.E.	
 आयदा		 उप आयुक्त आयुक्त A.E.	

आज दिनांक 04/08/2015 को
वही सं. 1 जिल्द सं. 19371
पृष्ठ सं. 39 से 56 पर क्रमांक 15137
रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर


एस.बी. सिंह

उप निबन्धक(प्रथम)

लखनऊ

4/8/2015

